Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In September 2018

गुजवि में हुई एंटी रैगिंग व एंटी इव टीजिंग कमेटी की बैठक, हिंसक घटनाएं 70 फीसद घटी

गुजवि में 9 वर्षों में रैगिंग का एक केस भी नहीं आया

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में रैगिंग व अन्य हिंसक घटनाओं में लगातार कमी हो रही है। जागरूकता और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण इस विश्वविद्यालय में पिछले 9 वर्षों में रैगिंग का एक भी मामला सामने नहीं आया है। यही नहीं प्रोक्टर कार्यालय और पुलिस विभाग के रिकार्ड के आधार पर निकाले गए एक निष्कर्ष में सामने आया है कि विश्वविद्यालय में पिछले दो वर्षों में विद्यार्थी हिंसक घटनाओं से लगातार दूर हुए हैं। इन सबके पीछे विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों सहित कई कारण हैं। ये तथ्य शुक्रवार को विश्वविद्यालय में हुई एंटी रैगिंग व एंटी इव टीजिंग कमेटी की बैठक में सामने आई। इस बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने की। संचालन विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा ने किया।

विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करने के लिए 35 युवाओं का समूह गठित : कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि विश्वविद्यालय का शैक्षणिक माहौल लगातार बेहतर हो रहा है। हमें इस दिशा में अभी लगातार और कार्य करते रहना है। विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा ने बताया कि विश्वविद्यालय में 35 विद्यार्थियों का एक युवा विकास समूह भी गठित किया गया है, जिसमें विभिन्न छात्रावासों व विभागों से विद्यार्थी शामिल हैं। इस समूह से विद्यार्थियों की समस्याओं की जानकारी मिलती है और उनसे बेहतर संवाद स्थापित हो पाता है। इसके अतिरिक्त रैगिंग तथा छात्राओं के साथ छेड़छाड़ को रोकने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय, केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा स्थापित नियमों व मापदंडों को विश्वविद्यालय में स्थापित किया गया है।

एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व मौजूद अन्य सदस्यगण। ● जागरण

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल, चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. शबनम सक्सेना, डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. नरसी राम बिश्नोई, डिप्टी चीफ वार्डन ब्वाएज डा. विकास वर्मा, प्रो. कर्मपाल नरवाल, प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई, मुख्य सुरक्षा अधिकारी पतराम सिंह, डीएसपी सिटी हिसार दलजीत, पीएचडी विद्यार्थी मुकेश कुमार, शिवा व भगवती के अतिरिक्त अभिभावक अनूप कुमार, निर्मला देवी व बिमला भी मौजूद रहे।

24 घंटे एंबुलेंस सुविधा है विद्यार्थियों के लिए

विवि में हैं ये सुविधाएं

प्रो. संदीप राणा ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए एंबुलेंस की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त छात्राओं की सुविधा हेतु हॉस्टल में फोटोस्टेट मशीन, इंटरनेट कैफे व एक दुकान भी स्थापित की गई है। जिला प्रशासन की ओर से बैठक में आए अधिकारियों ने इस मौके पर अपने-अपने सुझाव दिए और कहा कि रैगिंग को लेकर जिला प्रशासन व जिले के सभी शैक्षणिक संस्थाओं को सतर्क रहने की आवश्कता है। बैठक में भाग ले रहे अभिभावकों व छात्रों ने भी अपने-अपने सुझाव दिए।

दैनिक जागरण - 1/9/18

प्रो. सुमित्रा को मिलेगा शिक्षक श्री का सम्मान

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सुमित्रा सिंह को इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से 5 सितम्बर को नई दिल्ली में शिक्षक श्री से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान प्रो. सुमित्रा को नेपाल के पूर्व उपराष्ट्रपति न्यायमूर्ति परमानंद झा प्रदान करेंगे। प्रा. सुमित्रा को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए है। प्रो. सुमित्रा गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल में कार्यरत है। 5 सितम्बर को होने वाले इस कार्यक्रम में देशभर से तकरीबन 10 हजार प्रस्ताव भेजे गए थे। जिसमें से केवल 131 शिक्षकों का इस पुरस्कार के लिए चयन किया गया। डा. सुमित्रा को पहले भी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही उन्हें औषधिय पौधों की शोध में उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्था इडामास लर्निंग केंद्र मलेशिया द्वारा सम्मानित किया गया था।

मि - 3/9/18

योजना इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म देने को रिसर्च वर्क किया जाएगा ऑनलाइन

जीजेयू में पीएचडी थिसिस से पहले शोधार्थी को सब्मिट करने होंगे दो रिसर्च पेपर

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में स्टूडेंट्स व टीचर्स के रिसर्च वर्क को इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म देने के लिए ऑनलाइन पब्लिश किया जाएगा, ताकि नये आइडियाज के लिए स्टूडेंट्स मोटिवेट हों। साथ ही रिसर्च के लेवल को भी बढ़ाया जा सके।

जीजेयू में अब शोधार्थियों को पीएचडी थीसिस जमा करने से पहले कम से कम दो रिसर्च पेपर पब्लिश करने होंगे। इनमें से एक रिसर्च पेपर किसी पॉपुलर पत्रिका में अथवा जर्नल्स में प्रकाशित होना चाहिए। इन रिसर्च पेपर के प्रकाशित करने के बाद पीएचडी स्टूडेंट्स अपनी थीसिस जमा करवा पाएंगे। जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार बताते हैं कि रिसर्च में प्रोत्साहन के लिए नए इनोवेशन के लिए रिसर्च अवॉर्ड देने के भी योजना बनाई है। इसमें स्टूडेंट्स को रिसर्च के अनुसार कैश अवॉर्ड दिए जाएंगे।

विवि को मिली 50 करोड़ की ग्रांट

रिसर्च में इनोवेशन के लिए कुछ समय पहले ही जीजेयू को 50 करोड़ की ग्रांट भी मिली है। वहीं विवि देश-विदेश में नेशनल व इंटरनेशनल सेमिनार में प्रतिभागियों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क, वीजा शुल्क व आवास शुल्क बढ़ाने पर भी कुछ कदम उठाएगी।

3 वर्षों के रिसर्च टॉपिक्स होंगे ऑनलाइन

रिसर्च को लेकर होने वाले इनोवेशन के लिए पिछले तीन वर्षों में रिसर्च से जुड़े प्रोजेक्ट्स व पब्लिकेशन से जुड़े टॉपिक्स को जीजेयू की वेबसाइट पर ऑनलाइन किया जाएगा। वहीं भविष्य में होने वाले रिसर्च टॉपिक को ऑनलाइन किया जाएगा।

सीनियर रिसर्चर करेंगे इंस्पायर : विवि में अनुबंध विभाग के सदस्यों को सीनियर रिसर्चर नये रिसर्च आइडियाज पर वर्क करने के लिए इंस्पायर करेंगे। अनुबंध विभाग के सदस्य भी डेटाबेस ऑनलाइन में कम से कम एक शोध पत्र प्रकाशित कर सकते हैं। विश्वविद्यालय शोधार्थियों को 8000 रुपये की छात्रवृति देता है। इसका 50 प्रतिशत क्वालिफाइंग परीक्षा के समय और 50 प्रतिशत पीएचडी पाठ्यक्रम की घोषणा पर दिया जाता है।

दैनिक भास्कर - 4/9/18

विद्यार्थी को शिक्षा के साथ विश्व की जानकारी भी हो : पुंडीर

हिसार, 5 सितम्बर (पंकेस): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि विद्यार्थी को शिक्षा के साथ-साथ विश्व के प्रत्येक क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए।

यह जानकारी प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने से ही प्राप्त हो सकती है। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से शुरू किए गए मासिक 'कैम्पस रिक्रूटमैंट ट्रेनिंग प्रोग्राम' के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुए उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की। डा. पुंडीर ने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ कौशल विकास की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास में उत्कृष्टता हासिल करने हेतु विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना बहुत जरूरी है, ताकि विद्यार्थियों को रोजगार के लिए सक्षम बनाया जा सके।

(इनसैट) सम्बोधित करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर। 'कैम्पस रिक्रूमैंट ट्रेनिंग प्रोग्राम' के उद्घाटन समारोह में उपस्थित प्रतिभागी।

विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रो. कर्मपाल नरवाल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में रोजगार देने वाली कम्पनियों व सरकारी विभागों द्वारा विद्यार्थियों को उनकी परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर नहीं चुना जाता बल्कि उनके कौशल, समझ और सम्बन्धित क्षेत्र की उत्कृष्टता के आधार पर चुना जाता है। ट्रेनर पंकज असीजा ने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए विजन का होना आवश्यक है। डा. शील निधि ने बताया कि इंटरव्यू में वर्बल कम्युनिकेशन के साथ-साथ नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन यानी बॉडी लैंग्वेज का अपना महत्व होता है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि उद्भावना कार्यक्रम हेतु 250 विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया है। यह कार्यक्रम 29 सितम्बर 2018 तक चलेगा।

चार बैचों में चलने वाले इस कार्यक्रम में पीएसईएल से पंकज असीजा, यूनीक इंगलिश लैब से डा. शील निधि त्रिपाठी तथा कैरियर लांचर से दुष्यंत कुमार और अंजलि विद्यार्थियों को ई-मेल राइटिंग, प्रेजेंटेशन स्किल्स, ग्रुप डिस्कशन एवं इंटरव्यू स्किल्स का प्रशिक्षण देंगे। सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी - 6/9/18

इंडिया फाउंडेशन के निदेशक बोले, वैज्ञानिकों की बदौलत अमेरिका की बादशाहत

वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए हो उपयुक्त वातावरण: कैप्टन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

बदलते वैश्विक परिवेश में सामाजिक चुनौतियां तथा परिस्थितियां भी बदल रही हैं। अध्यापकों और विद्यार्थियों को इनसे अवगत होना अति आवश्यक है। यह बात इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने बुधवार को गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के आयोजित कार्यक्रम में कही।

- कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की

हिसार। कैप्टन आलोक बंसल को सम्मानित करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर उपस्थित रहे। विशेष व्याख्यान का आयोजन इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल व राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तत्वाधान तथा जम्मू कश्मीर शिक्षा केन्द्र हरियाणा के सहयोग से किया गया। कैप्टन आलोक बंसल ने वर्तमान समय की वैश्विक परिस्थितियों पर प्रकाश डाला तथा विश्व के मुख्य शक्तिशाली देशों तथा भारत के पड़ोसी देशों के साथ भारतीय संबंधों की वर्तमान परिस्थितियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी भी निर्विवाद रूप से दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश है। हालांकि चीन भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके बावजूद अमेरिका की बादशाहत अभी कायम है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के सुपर पावर बनने के पीछे बड़ी वजह यह है कि इस देश में उच्चकोटि के वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के लिए उपयुक्त वातावरण है। पूरी दुनिया से उच्चस्तर के वैज्ञानिक, इंजीनियर व अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले उत्कृष्ट व्यक्ति अमेरिका में जाकर काम करना चाहते हैं। उन्होंने चीन को भारत का अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ोसी बताया तथा चीन व भारत के बीच वर्तमान परिस्थितियों का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत का सीमा विवाद नहीं बल्कि सैद्धांतिक विवाद है। उन्होंने इरान व अमेरिका के वर्तमान सम्बंधों के बीच भारत की स्थिति का भी अत्यंत स्पष्टता से जिक्र किया। बंगलादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, मालद्वीप, भूटान, मयंमार, मारीशियश आदि सभी देशों की वर्तमान परिस्थितियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ दुनिया के कुछ अन्य देशों में भी धर्म के नाम पर कट्टरता हो रही है।

इस दिशा में अतिशीघ्र दुनिया को सोचना चाहिए। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के चलते इस्लामिक कट्टरवाद बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम कट्टरता को बम व गोलियों से नहीं नीतिगत फैसलों से कम कर सकते हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध व अविष्कार से निश्चित तौर से प्रगति के रास्ते खुलते हैं। विश्वविद्यालय ने दीनदयाल उपाध्याय इंक्यूबेशन लैब स्थापित की है। उन्होंने कहा कि आपसी सद्भाव व शांति के लिए आवश्यक है कि पड़ोसियों के साथ सम्बंध ठीक होने चाहिए।

जम्मू कश्मीर शिक्षा केन्द्र हरियाणा प्रदेश के उपाध्यक्ष डा. प्रदीप कुमार ने जम्मू कश्मीर शिक्षा केन्द्र के क्रियाकलापों के बारे में बताया तथा कहा कि आठ साल पहले स्थापित इस केन्द्र की प्रदेश के अधिकतर राज्यों में इकाईयां स्थापित हो गई हैं। मंच संचालन राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने किया।

हरिभूमि - 6/9/18

जीजेयू

फ्रैंच लैंग्वेज में होंगे तीन सर्टिफिकेट कोर्स, इंटरनल व एक्सटर्नल मार्क्स 20-80

फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स के लिए स्ट्रीम बेस्ड सिलेबस

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में शुरू किए फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स के सिलेबस को देश की सभी यूनिवर्सिटी से एडवांस व सिंपल बनाया गया है, ताकि स्टूडेंट्स इंटरनेशनल लेवल पर फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स से कॅरिअर बना सकें। विवि ने दो वर्षीय फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स शुरू किया है। पहले वर्ष में सर्टिफिकेट कोर्स होगा, फिर दूसरे वर्ष डिप्लोमा कोर्स होगा। सर्टिफिकेट कोर्स के सिलेबस को थ्योरी बेस्ड होगा, जबकि दूसरे वर्ष के कोर्स को प्रैक्टिकल बेस्ड रखा गया है। दिल्ली व केयूके यूनिवर्सिटी करवाए जाने वाले फ्रैंच कोर्स से एडवांस तैयार किया है। प्रथम वर्ष में तीन सर्टिफिकेट कोर्स रखे गए हैं, जिनमें जर्नल सर्टिफिकेट कोर्स, साइंस व इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए सर्टिफिकेट ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग कोर्स व मैनेजमेंट स्टूडेंट्स के लिए सर्टिफिकेट ऑफ मैनेजमेंट कोर्स शुरू किए हैं।

कोर्स के लिए दो पेपर होंगे

फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स में दो पेपर होंगे। पहला पेपर डिवेलपिंग रीडिंग एंड राइटिंग स्किल्स इन फ्रैंच लैंग्वेज के नाम से होगा। इसमें फंक्शनल ग्रामर, कॉम्प्रेहेंसिव ऑफ सिंपल टेक्स्ट एंड प्रेसिज-राइटिंग, सिविलाइजेशन, सिंपल टॉपिक्स ऑन सिविलाइजेशन। ट्रांसलेशन ऑफ सिंपल पैसेज, सिंपल सेंटेंसिज फ्रैंच लैंग्वेज। इसमें दूसरा पेपर डिवेलपिंग लिसनिंग एंड स्पीकिंग स्किल्स इन फ्रैंच लैंग्वेज। दूसरे पेपर में ऑडियो व वीडियो के माध्यम से विभिन्न टॉपिक्स को क्लियर किया जाएगा। फ्रैंच कोर्स के लिए परीक्षाओं में इंटरनल के 20 अंक व एक्सटर्नल एग्जाम के 80 अंक निर्धारित किए हैं। हालांकि विवि में अन्य कोर्सेज की परीक्षाओं में एक्सटर्नल अंक 70 व इंटरनल अंक 30 हैं। इंटरनल असेसमेंट में क्लास टेस्ट के लिए 5 अंक, असाइंटमेंट के 5 अंक, क्लास डिस्कशन के 3 अंक, असाइनमेंट्स के 5 अंक निर्धारित किए हैं। जिसमें 85 प्रतिशत अटेंडेंस के 2 व 75 से 85 प्रतिशत अटेंडेंस के लिए 1 अंक मिलेगा।

600 से अधिक आवेदन

फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स के सिलेबस को स्टूडेंट्स की स्ट्रीम के अनुसार तैयार किया गया है। अगले सेशन में इसे लार्ज स्केल पर किया जाएगा। कोर्स में दाखिले के लिए जीजेयू स्टूडेंट्स व बाहर के लोगों के 600 से अधिक आवेदन आए हैं। 10 सितंबर से इसकी क्लासेज शुरू की जाएंगी। **-प्रो. सुभाष चंद्र कुंडू, डीन, ह्यूमानिटी एंड सोशल साइंस।**

विवि ने फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स में सिलेबस को स्टूडेंट्स के लिए आसान व डिफरेंट बनाया है, ताकि स्टूडेंट्स को आसानी हो।
प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर - 7/9/18

गुजवि में फीडबैड पोर्टल शुरू

कुलपति कार्यालय के कमेटी रूम में फीडबैक पोर्टल का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार, 8 सितम्बर (पंकेस): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वि.वि. द्वारा फीडबैक पोर्टल शुरू किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शनिवार को कमेटी रूम में फीडबैक पोर्टल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व यूनिवर्सिटी कम्प्यूटर एंड इन्फॉर्मेटिक्स सैंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा व विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि फीडबैक पोर्टल के माध्यम से वर्तमान विद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थी, अभिभावक, विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी अपना फीडबैक दे सकेंगे। पोर्टल में विभिन्न 8 प्रकार के फार्म अपलोड किए गए हैं। ये फार्म नैक एक्रेडिटेशन के पैरामीटर पर आधारित हैं। यूनिवर्सिटी कम्प्यूटर एंड इन्फॉर्मेटिक्स सैंटर के निदेशक मुकेश अरोड़ा ने बताया कि यह पोर्टल विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर सैंटर द्वारा तैयार किया गया है।

द्वितीय समैस्टर से लेकर पूर्व विद्यार्थी इस पोर्टल का प्रयोग कर अपना फीडबैक दे सकते हैं। इसका एक पोर्टल आईक्यूएसी सैल को भी दिया गया है जिससे सैल स्टैटिस्टिकल एनालिसिस कर सकती है।

पंजाब केसरी - 9/9/18

गुजवि को मिली 5 नये विभागों की मंजूरी

कार्यकारी परिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण फैसले

हिसार, 9 सितंबर (निस)

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हिंदी, अंग्रेजी, इक्नॉमिक्स, बीटेक सिविल व इलेक्ट्रिकल विभाग बनाए जाएंगे। विभागों के लिए निर्धारित पदों की अनुमति मिल चुकी है।

कार्यकारी परिषद की 81वीं बैठक में इन विभागों को मंजूरी मिली। बैठक की कुलपति अध्यक्षता प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। संचालन कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने किया। प्रो. टंकेश्वर ने बताया कि विभिन्न विभागों के शिक्षकों की कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत पदोन्नति की गई है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों में रिक्त शिक्षकों के पदों को भरा गया है। विभागों के लिए निर्धारित पदों की अनुमति भी मिल चुकी है। बैठक में विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारी व महाविद्यालयों के शिक्षकों को कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद तथा विश्वविद्यालय कोर्ट का सदस्य नियुक्त किए जाने पर भी सहमति हुई है।

हिसार, गुजवि की रविवार को कार्यकारी परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

सदस्य की नियुक्ति के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है, जो नियमों को निर्धारित करेगी। बैठक में तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा के राजेन्द्र चौधरी, वित्त विभाग से वजीर सिंह गोयत, डा. प्रदीप शर्मा स्नेही, प्रो. पवन कुमार, प्रो. केसी तोमर, प्रो. केसी अरोड़ा, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. देवेन्द्र मोहन, डा. दीपक केडिया व डा. कुलदीप सिंह उपस्थित थे।

दैनिक ट्रिब्यून - 10/9/18

साहित्यिक चोरी के खिलाफ नीति शोधार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी : टंकेश्वर

जीजेयू में 'टर्न इट इन' सॉफ्टवेयर विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

जीजेयू में टर्न इट इन सॉफ्टवेयर की ट्रेनिंग के दौरान बैठे स्टूडेंट्स।

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय ने चौधरी रणबीर सिंह सभागार में 'टर्न इट इन' सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम किया। इसकी अध्यक्षता पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने की। सॉफ्टवेयर कंपनी के अधिकारी वरूण ने बताया कि 21वीं सदी डिजिटल युग के नाम से जानी जाती है। जिससे किसी भी सूचना का आदान-प्रदान बहुत ही आसान हो गया है। कोई व्यक्ति विश्व के किसी भी कोने से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है। जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यूजीसी की साहित्यक चोरी के खिलाफ नीति शोधार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। जिससे शैक्षणिक समुदाय अंतर्राष्ट्रीय मंच पर ज्ञान का आसानी से आदान-प्रदान कर सकेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. एसएस जोशी, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र चौहान, डॉ. सोमदत्त को इस सफल आयोजन और शोधार्थियों, विद्यार्थियों व शिक्षक समुदाय को साहित्यिक चोरी के खिलाफ और 'टर्न इट इन' सॉफ्टवेयर के उपयोग करने की जानकारी के लिए बधाई दी।

दैनिक भास्कर - 12-9-18

'डिजिटल अध्ययन सामग्री का प्रयोग नियमानुसार किया जाना चाहिए'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय द्वारा चौधरी

- गुजवि में टर्न इट इन साफ्टवेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

रणबीर सिंह सभागार में टर्न इट इन साफ्टवेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने की। साफ्टवेयर कम्पनी के अधिकारी वरूण द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया।

विशेष व्याख्यान में वरूण ने बताया कि 21वीं सदी डिजिटल युग के नाम से जानी जाती है, जिससे किसी भी सूचना का आदान-प्रदान बहुत ही आसान हो गया है। कोई भी व्यक्ति विश्व के किसी भी कौने से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है। इसके अतिरिक्त शोधार्थी व विद्यार्थी भी आसानी से डिजिटल अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल अध्ययन सामग्री का प्रयोग भी नियमानुसार किया जाना चाहिए। यदि हम इसका सही ढंग से प्रयोग नहीं करते हैं तो साहित्यिक चोरी के अंतर्गत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आएंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा टर्न इट इन साफ्टवेयर का प्रयोग लम्बे से किया जा रहा है तो बहुत लाभदायक है। कम्पनी भी समय-समय पर प्रशिक्षित करती आ रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यूजीसी की साहित्यक चोरी नीति शोधार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। जिससे शैक्षणिक समुदाय अंतरराष्ट्रीय मंच पर ज्ञान का आसानी से आदान-प्रदान कर सकेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर मौजूद थे।

हरिभूमि - 12-9-18

एजुकेशन

अगले सेशन से कॉलेजों में यूनिवर्सिटी में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम नियम होगा लागू, साथ ही ले सकेंगे एनसीसी की एयरविंग

आर्ट के स्टूडेंट्स अब पढ़ सकेंगे साइंस व कॉमर्स के सबजेक्ट

संदीप रामायण

हिसार। कॉलेजों व यूनिवर्सिटी में यूजी कोर्सों में पढ़ने वाले विद्यार्थी अब आईआईटी की तर्ज पर अनिवार्य विषयों के साथ अपने रुचिकर विषय भी पढ़ सकेंगे। हायर एजुकेशन अगले सेशन से कॉलेजों में व विश्वविद्यालयों में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम नियम लागू करने जा रहा है। निदेशालय ने इन नियम को लागू करने के लिए एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इस नियम का सबसे ज्यादा लाभ आर्ट के विद्यार्थियों को होगा। आर्ट के विद्यार्थी साइंस के विषयों के नहीं पढ़ पाते थे। पर साइंस के विद्यार्थी आर्ट के विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। इस नियम के लागू होने से आर्ट के विद्यार्थी कॉमर्स व साइंस के विषय भी पढ़ सकेंगे। चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम नियम को प्रदेश के सभी कॉलेजों में व विश्वविद्यालयों में लागू करने के लिए हायर एजुकेशन निदेशालय में पंचकूला में वर्कशॉप आयोजित हुई।

उच्चतर शिक्षण संस्थानों को लगातार अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार करके गुणवत्ता बढ़ानी चाहिए। सभी विश्वविद्यालयों को चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम को लागू करने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया गया है। इसके लिए हायर एजुकेशन निदेशालय पंचकूला में उच्चतर शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ज्योति अरोड़ा ने एक वर्कशॉप की, जिसमें प्रदेश के 12 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। इस नियम के लागू होते ही विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा।

-प्रो. टंकेश्वर, वाइस चांसलर, जीजेयू

हायर एजुकेशन निदेशालय का ये एक सराहनीय कदम है। इस नियम के लागू होने से विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा। आर्ट के विद्यार्थी साइंस के विषय लेने से वंचित रह जाते थे। ये नियम लागू होने से ऐसा नहीं होगा। विद्यार्थियों में अपनी पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ेगी।

-पीएस रोहिल्ला, प्राचार्य गवर्नमेंट कॉलेज

उच्चतर शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ज्योति अरोड़ा ने हरियाणा के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता सुधार विषय पर आयोजित वर्कशॉप में प्रदेशभर के 16 विश्वविद्यालयों से आए प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया।

हरियाणा के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र व गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार के सहयोग से वर्कशॉप आयोजित की गई। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य यूजीसी की ओर से दिए प्रस्तावित 'अध्ययन के परिणाम पर आधारित' सिलेबस तैयार करने के लिए विचार-विमर्श करना था। यूजीसी ने इस फ्रेमवर्क को 3 विषयों में आवंटित किया है। वर्कशॉप में जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्य रूप से मौजूद थे।

एनसीसी की एयरविंग ले सकेंगे आर्ट के विद्यार्थी

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम नियम लागू होने से आर्ट के विद्यार्थी एनसीसी की एयरविंग ले सकेंगे। नियमानुसार एयरविंग लेने के लिए विद्यार्थी के पास केमिस्ट्री, फिजिक्स व मैथ विषय होने अनिवार्य हैं। ऐसे में आर्ट के विद्यार्थी एयरविंग लेने से वंचित रह जाते थे। सिर्फ साइंस के विद्यार्थी ही एयरविंग ले सकते थे।

ये बोले विद्यार्थी

आर्ट के विद्यार्थी एनसीसी की एयरविंग लेने से वंचित रह जाते हैं। क्योंकि एयरविंग लेने के लिए विद्यार्थी के पास मैथ, केमिस्ट्री व फिजिक्स विषय होने अनिवार्य हैं। आर्ट में ये विषय होते नहीं। ये नियम लागू होने से आर्ट विद्यार्थी ये सबजेक्ट लेकर एयरविंग भी ले सकेंगे।

-अंकित खुराना, विद्यार्थी गवर्नमेंट कॉलेज

बहुत ही अच्छा नियम है। ये तो इसी सेशन से ही लागू होना चाहिए था। बहुत सारे कॉमर्स व आर्ट के विद्यार्थियों की इच्छा होती है कि वो साइंस के विषय लें। पर सटीक नियम न होने से ऐसा नहीं होता था। हम हायर एजुकेशन का धन्यवाद करते हैं।

-शीतल, विद्यार्थी गवर्नमेंट कॉलेज

आज समाज - 14-9-18

जीजेयू

स्टूडेंट्स विवि की वेबसाइट पर कर सकते हैं आवेदन, फिलहाल कोर्स अधिकतम 60 घंटे या 2 महीने तक चलाया जाएगा

कंप्यूटर एडिड डिजाइनिंग व मैन्यूफैक्चरिंग शॉर्ट टर्म कोर्स होगा शुरू

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू में पहली बार कंप्यूटर एडिड डिजाइन व कंप्यूटर एडिड मैन्यूफैक्चरिंग विषय पर शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किया जाएगा। इस कोर्स को बीटेक थर्ड व फोर्थ इयर के किसी भी स्ट्रीम के स्टूडेंट्स कर सकेंगे। इसके जरिये स्टूडेंट्स कंप्यूटर डिजाइनिंग व कंप्यूटर एडिड सीएनसी मशीनों के बारे में सीखेंगे। जिससे डिजाईनिंग व मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़े क्षेत्रों में आसानी से जॉब हासिल कर पाएंगे। विवि ने शुरू में इसे शॉर्ट टर्म कोर्स के रूप में शुरू किया है। आगामी समय में नियमित रूप से भी चलाने की योजना है। फिलहाल कोर्स अधिकतम 60 घंटे अथवा 2 महीने तक चलाया जाएगा।

कंप्यूटर डिजाइनिंग व मैन्यूफैक्चरिंग के सॉफ्टवेयर्स की जानकारी कोर्स के जरिये हासिल कर पाएंगे। इन सॉफ्टवेयर्स का इस्तेमाल आर्किटेक्ट, इंजीनियर्स, ड्राफ्टर्स, आर्टिस्ट के द्वारा प्रयोग किए जाते हैं। जीजेयू वेबसाइट पर आवेदन मांगे गए हैं।

फिलहाल कोर्स के लिए 5 हजार रुपए फीस निर्धारित की

शॉर्ट टर्म कोर्स के लिए विवि ने काफी कम फीस रखी है। स्टूडेंट्स सिर्फ 5 हजार रुपए फीस देकर यह कोर्स कर पाएंगे। गौरतलब है कि जीजेयू में हाल ही में फ्रेंच लैंग्वेज कोर्स भी शुरू किया गया है। जिसकी फीस भी 2 हजार रुपए रखी गई है। कोर्स में 20 आवेदन आने पर इसे शुरू कर दिया जाएगा। विवि के बीटेक के सभी स्टूडेंट्स इसके लिए आवेदन कर सकेंगे।

बीटेक के इन स्ट्रीम्स के स्टूडेंट कर पाएंगे कोर्स

बीटेक कंप्यूटर साइंस, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, बीटेक सिविल, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी आदि कोर्सेज के स्टूडेंट के साथ एमटेक व पीएचडी कर रहे स्टूडेंट भी इस कोर्स को कर सकेंगे।

इन क्षेत्रों में बना सकते हैं कॅरिअर

- मैकेनिकल डिजाइनर
- मैन्यूफैक्चरिंग इंजीनियरिंग
- आर्किटेक्चरल डिजाइनर
- सिविल इंजीनियर
- प्रोडक्शन इंजीनियर
- एकेडमिक्स

कोर्स शुरू करने का उद्देश्य

- स्टूडेंट में डिजाइनिंग व प्रोग्रामिंग की स्किल्स डिवेलप करना।
- कम्प्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) मशीनों की कार्यप्रणाली के बारे अवगत करवाना।
- स्टूडेंट्स में नये प्रोडक्ट बनाने की स्किल्स डिवेलप करना।
- कैड टेक्नीक्स के जरिये उडी टेक्नीक्स के जानकारी से स्टूडेंट्स को अवगत करवाना।

स्टूडेंट्स में एक्सट्रा स्किल्स होंगी डिवेलप

यह कोर्स स्टूडेंट्स में स्किल्स डिवेलप करने के लिए शुरू किया है, जिसे वेल्यू एड के तौर पर जोड़ा जा सकता है। फ्रेंच लैंग्वेज कोर्स से भी स्टूडेंट्स अपनी स्किल्स डिवेलप कर पाएंगे।" -प्रो. टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू, हिसार।

दैनिक भास्कर- 15/9/18

जीजेयू के 1597 स्टूडेंट्स देंगे ऑनलाइन एमकैट टेस्ट परीक्षा परिणाम से जान पाएंगे किस सब्जेक्ट में कमजोर

बीटेक स्टूडेंट को एमकैट टेस्ट स्कोर देखकर बड़ी कंपनियां जॉब के लिए करेंगी ऑफर

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के बीटेक स्टूडेंट्स के लिए एसपायरिंग माइंडस कंप्यूटर अडेप्टिव टेस्ट(एमकैट) का आयोजन किया जाएगा। ऑनलाइन आयोजित किए जाने वाले इस टेस्ट को सभी बीटेक स्टूडेंट्स के लिए अनिवार्य किया गया है। टेस्ट के जरिये विभिन्न सब्जेक्ट में स्टूडेंट्स का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाएगा। जिससे स्टूडेंट्स किस विषय में कमजोर है और किस विषय में एक्सपर्ट है इन बातों का मूल्यांकन भी स्टूडेंट स्वंय कर पाएंगे। इसी टेस्ट के स्कोर को देखकर बड़ी कंपनियां इंटरव्यू के लिए ऑफर करेंगी। जिससे कैंपस प्लेसमेंट में भी टेस्ट का स्कोर अहम भूमिका निभाएगा। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया की मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एनपीआईयू के निर्देशानुसार तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम की फंडिंग से इस टेस्ट का आयोजन किया जाएगा।

टेस्ट का आयोजन 24 से 29 सितंबर तक होगा

जीजेयू के बीटेक के 1597 स्टूडेंट्स इस टेस्ट में शामिल होंगे। टेस्ट का आयोजन 24 सितंबर से 29 सितंबर तक किया जाएगा। जिसमें बीटेक कंप्यूटर साइंस, आईटी, फूड टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल के प्रथम से लेकर चौथे वर्ष तक के स्टूडेंट्स भाग ले पाएंगे। टेस्ट का आयोजन विवि के कम्प्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में किया जाएगा। साढ़े तीन घंटे की अवधि के इस टेस्ट में इंग्लिश, रीजनिंग, क्वांटिटेटिव, पर्सनैलिटी और डोमेन नॉलेज के विषय रहेंगे।

ओरिएंटेशन के जरिये दी जानकारी

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मेन हॉल में 'एम्प्लॉयबिलिटी असेसमेंट टेस्ट एमकैट' विषय पर ओरिएंटेशन का आयोजन कर स्टूडेंट्स को इस बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी पढ़ने से नहीं सीखने से इंसान बनता है। शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए व्यवहारिक ज्ञान बहुत आवश्यक है। तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) के समन्वयक प्रो. धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि टीईक्यूआईपी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का कौशल विकास करना है। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित एसपायरिंग माइंडस के जोनल मैनेजर मनदीप ने कहा टेस्ट से विद्यार्थियों को रोजगारपरक की विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त होगी। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न भी पूछे गए।

दैनिक भास्कर- 15/9/18

विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के साथ व्यवहारिक ज्ञान बहुत आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर कुमार

जीजेयू में 'एंप्लॉयबिलिटी असेसमेंट टेस्ट एमकैट' विषय पर ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

कार्यक्रम को संबोधित करते जीजेयू कुलपति टंकेश्वर कुमार। अमर उजाला

हिसार। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल की ओर से विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मेन हॉल में 'एंप्लॉयबिलिटी असेसमेंट टेस्ट एमकैट' विषय पर ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। अध्यक्षता सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी पढ़ने से नहीं सीखने से इंसान बनता है। शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए व्यवहारिक ज्ञान बहुत आवश्यक है।

तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) के समन्वयक प्रो. धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि टीईक्यूआईपी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का कौशल विकास करना है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने कहा कि इस टेस्ट का आयोजन बीटेक प्रथम वर्ष से अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थियों के लिए करवाया जा रहा है। यह टेस्ट 24 सितंबर से 29 सितंबर तक विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर व कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में किया जाएगा।

अमर उजाला - 15/9/18

पहल

कोर्स के लिए विवि से बाहर के लोगों के लिए चार हजार रुपये फीस

जीजेयू में फ्रेंच लैंग्वेज कोर्स के साथ जर्मन अंग्रेजी भाषाओं के कोर्स भी जल्द होंगे शुरू

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में अब जर्मन, अंग्रेजी लैंग्वेज के सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स शुरू किये जाएंगे। जीजेयू की ओर से हाल ही में फ्रेंच लैंग्वेज कोर्स शुरू किया गया है। वहीं कंप्यूटर एडिड डिजाइनिंग व कंप्यूटर मैन्यूफैक्चरिंग शॉर्ट टर्म कोर्सेज को भी जल्द ही शुरू किया जाना है। जीजेयू में फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स के लिए स्टूडेंट्स सहित विवि से बाहर के लोगों में भी काफी रुझान देखने को मिला है। फ्रैंच लैंग्वेज कोर्स के लिए 600 से अधिक लोगों ने अप्लाई किया है। स्टूडेंट्स के रुझान को देखते हुए विवि की ओर से अगले सेशन से जर्मन व अंग्रेजी लैंग्वेज में भी सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स शुरू किये जाएंगे।

फेकल्टी मिलते ही शुरू होंगे कोर्स

जीजेयू में शॉर्ट टर्म कोर्सेज से स्टूडेंट्स के साथ यूनिवर्सिटी से बाहर के लोगों को भी फायदा होगा। फेकल्टी मिलते ही अन्य लैंग्वेज कोर्सेज भी शुरू किये जाएंगे। **टंकेश्वर कुमार, वीसी, जीजेयू।**

एक सेशन में तीन बैच लगाएंगे

जीजेयू की ओर से एक सेशन के दौरान शॉर्ट टर्म कोर्सेज के तीन बैच पूरे किये जाएंगे। विवि की ओर से शनिवार को आयोजित हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इस बारे में फैसला किया गया है। लघु अवधि कोर्स फैंच सीखने के लिए विश्वविद्यालय के आंतरिक उम्मीदवार के लिए 2000 रुपए तथा बाहरी उम्मीदवार के लिए 4000 रुपए फीस रखी गई है।

इस फील्ड में कॅरिअर बना सकते हैं स्टूडेंट्स

जीजेयू में शुरू किये जाने वाले जर्मन व अंग्रेजी लैंग्वेज कोर्स करने के बाद स्टूडेंट्स ने कोर्सेज के जरिये विभिन्न फील्ड में जॉब भी हासिल कर सकते है। जर्मन लैंग्वेज में दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स करने के बाद स्टूडेंट्स टीचिंग लाइन में जा सकते हैं। वो खुद के सेंटर भी खोल सकते है, साथ ही प्रशासनिक सेवाओ में दुभाषिये सहित गाइड की जॉब भी कर सकते हैं। देश के साथ विदेशो में भी जॉब हासिल की जा सकती है। वहीं अंग्रेजी दुनिया के काफी देशो में प्रयोग की जाती है। अंग्रेजी लैंग्वेज कोर्स करने के बाद भी टीचिंग, गाइड आदि क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है।

दैनिक भास्कर - 17/9/18

जीजेयू

पांच वर्षीय इंटेग्रेटिड एमटेक व एमएससी कोर्स है विवि में

ड्यूल डिग्री कोर्स के स्टूडेंट्स को भी रिसर्च के लिए मिलेगी फेलोशिप

एमएचआरडी ने जीजेयू को स्कीम के बारे में सूचना भेजी

भास्कर न्यूज | हिसार

पांच वर्षीय इंटेग्रेटिड एमटेक व एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स रिसर्च के लिए फेलोशिप हासिल कर पाएंगे। एमएचआरडी की ओर से प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप में बदलाव किए गए हैं। एमएचआरडी की ओर से जीजेयू को स्कीम के बारे में सूचना भेजी गई है।

प्राइम मिनिस्टर रिसर्च फेलोशिप स्कीम में बेस्ट इनोवेटिव आइडियाज पर रिसर्च करने के लिए दी जाएगी। योजना में पीएचडी करने के लिए भी फेलोशिप दी जाती है। इसके लिए स्टूडेंट्स को प्रतिवर्ष रिसर्च के लिए राशि जारी की जाएगी। वहीं जीजेयू की ओर से भी रिसर्च वर्क व नए इनोवेटिव आइडियाज पर रिसर्च के लिए योजना बनाई गई है। इसमें रिसर्च करने वाले स्टूडेंट्स को विवि की ओर से वित्तीय सहायता भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

जीजेयू में एमटेक व ड्यूल डिग्री में सीटें

जीजेयू में एमटेक कंप्यूटर साइंस में 30, प्रिंटिंग व टेक्नोलॉजी में 20, इनवायरमेंटल व इंजीनियरिंग में 20, नैनो साइंस व टेक्नोलॉजी में 20, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 20, फूड टेक्नोलॉजी में 20 सीटें हैं। एमटेक में कुल 130 सीटें हैं। वहीं ड्यूल डिग्री कोर्सेज में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में 39, केमिस्ट्री में 39, मैथमेटिक्स में 39, फिजिक्स में 39 सीटें हैं। इन कोर्सेज के स्टूडेंट्स इस फैलोशिप का लाभ उठा सकेंगे।

रिजल्ट में सीजीपीए 8 होना जरूरी

फेलोशिप के लिए आवेदन करने के लिए एमटेक, एमएससी की परीक्षाओं में सीजीपीए स्केल ग्रेड 8.0 या इससे अधिक होना जरूरी है। यूनिवर्सिटी में रिजल्ट में कुल 10 सीजीपीए में से ग्रेड दी जाती है। वहीं गेट की परीक्षा में भी कम से कम 750 स्कोर होना भी आवश्यक है।

70 से 80 हजार की मिलेगी फेलोशिप

योग्य स्टूडेंट्स को पहले वर्ष से पांचवें वर्ष तक 70 से 80 हजार की फेलोशिप जीतने का मौका मिल सकेगा। इसमें पहले वर्ष में 70 हजार, दूसरे वर्ष में 70 हजार, तीसरे वर्ष में 75 हजार, चौथे वर्ष में 80 हजार व पांचवे वर्ष में 80 हजार रुपए की राशि मिलती है।

दैनिक भास्कर - 18/9/18

सलाह

गुजवि में विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र के ग्रीन स्कूल कार्यक्रम के तहत सेमिनार आयोजित

वर्तमान पीढ़ी प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से बचे : मेनन

जीजेयू में आयोजित 'ग्रीन स्कूल' कार्यक्रम को संबोधित करती मुख्य वक्ता रंजीता मेनन।

विश्वविद्यालय में आयोजित 'ग्रीन स्कूल' कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। ● जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र की पर्यावरण शिक्षा निदेशक रंजीता मेनन ने कहा कि आगामी पीढ़ियों को सुरक्षित पृथ्वी देना वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है। इसके लिए न केवल वर्तमान पीढ़ी को प्राकृतिक संसाधनों के अतिरिक्त दोहन से बचना होगा बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्राकृतिक संरक्षण के लिए जागरूक भी करना होगा। रंजीता मेनन गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार द्वारा विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र के 'ग्रीन स्कूल' कार्यक्रम के तहत आयोजित सेमिनार को बतौर मुख्यवक्ता संबोधित कर रही थी। प्रो. आर भास्कर ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर का संदेश पढ़ा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि स्कूल परिसर में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण अति आवश्यक है। इससे स्कूली विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। डा. अनिल कुमार पुंडीर ने अपने संदेश में यह सेमिनार हिसार में पर्यावरण गुणवत्ता की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित होगा।

जागरूक करने वाले कार्यक्रम होने चाहिए

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा से संबंधित अन्य गतिविधियों में भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने वाले कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। बॉयो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के प्रो. अशोक चौधरी ने कहा कि कृषि अवशेषों के उपयोग की उचित व्यवस्था करनी होगी। कृषि अवशेष जलाए जाने से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि बॉयो तकनीक के माध्यम से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की अध्यक्षा प्रो. आशा गुप्ता ने विभाग की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। विभाग पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार नई-नई खोज कर रहा है।

सेमिनार के निर्देशों का विश्वविद्यालय में करें प्रयोग

पब्लिक एवं आउटरीच निदेशक प्रो. आर. भास्कर ने अपने सम्बोधन में कहा कि सेमिनार के निर्देशों को विश्वविद्यालय में प्रयोग किया जाएगा, इसके साथ-साथ स्कूल भी इससे संबंधित रिपोर्ट तैयार करेंगे और उसकी विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र भेजा जाएगा। सेमिनार में जिले के 15 स्कूलों के प्रतिनिधियों सहित 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दैनिक जागरण - 19/9/18

कार्यक्रम | जीजेयू में एक दिवसीय ओरिएंटेशन वर्कशॉप में पोर्टल के बारे में दी जानकारी

ासी के पोर्टल पर स्टूडेंट्स के लिए एक हजार से अधिक कोर्स

भास्कर न्यूज | हिसार

जेयू के यूजीसी स्वयं लोकल चैप्टर ने दिवसीय ओरिएंटेशन वर्कशॉप ऑन वयं मुक्स कार्यक्रम का आयोजन किया ा। वर्कशॉप में जीजेयू के कुलपति टंकेश्वर कुमार ने बतौर मुख्यातिथि रकत की। फिजिक्स विभाग की प्रो. नीता श्रीवास्तवा कार्यक्रम कोर्डिनेटर पर फैकल्टी ऑफ फिजिकल इंसिज् अधिष्ठाता प्रो. देवेंद्र मोहन व वयं मुक्स समन्वयक डॉ. विवेक गुप्ता ी उपस्थित रहे।

वर्कशॉप कॉर्डिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तवा ने वर्कशॉप में बताया कि यूजीसी स्वयं मुक्स के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। स्वयं मुक्स पर 1000 से अधिक कोर्सिज करवाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में भविष्य में भी समय-समय पर वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। इसका शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी लाभ उठा सकेंगे। विश्वविद्यालय के स्वयं मुक्स के समन्वयक डॉ. विवेक गुप्ता ने बताया कि यह एक ऑनलाइन पोर्टल है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकता है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों सहित कुल 800 के करीब पंजीकरण करवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आगे विश्वविद्यालय से संबद्ध हुए महाविद्यालयों के शिक्षकों व विद्यार्थियों को भी जोड़ा जाएगा। फैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंसिज अधिष्ठाता प्रो. देवेंद्र मोहन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शिक्षक, विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

ऑनलाइन पोर्टल के ओरिएंटेशन कार्यक्रम उद्घाटन के दौरान वीसी टंकेश्वर कुमार।

जीजेयू में खुला डे केयर सेंटर...

एक दिन की देखभाल के लिए 200 रुपए फीस

जीजेयू में डे केयर सेंटर शुरू किया गया। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने बताया कि इस डे केयर सेंटर में विवि के कर्मचारियों व शहर व आस-पास के क्षेत्र के एक से पांच वर्ष के बच्चे दाखिला ले सकते हैं। डे-केयर सेंटर में बच्चों की देखभाल के लिए प्रशानुकूलित कमरे, खिलौने, लेडी अटेंडेंट, स्वास्थ्य तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। डे केयर सेंटर की वार्डन कृष्णा देवी ने बताया कि डे केयर सेंटर में विवि के कर्मचारियों के लिए 1000 रुपए तथा अन्य व्यक्तियों के लिए 1500 रुपए दाखिला फीस रखी गई है। पूरे दिन के लिए डे केयर फीस 3000 रुपए प्रति माह तथा एक शिफ्ट के लिए 2500 रुपए प्रति माह रखी गई है। इसके अतिरिक्त डे केयर सेंटर में एक दिन की देखभाल के लिए फीस 200 रुपए प्रतिदिन रखी गई है। आवेदन फार्म विश्वविद्यालय के वीआईपी गेस्ट हाउस के पास स्थित डे केयर सेंटर में उपलब्ध हैं।

दैनिक भास्कर - 20/9/18

वेबसाइट के जरिये भी अपडेट हों शिक्षक : टंकेश्वर

- गुजवि में ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन
- कुलपति बोले, शिक्षक ज्ञान के साथ विवेकशीलता लाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के यूजीसी स्वयं लोकल चेप्टर द्वारा ओरिएंटेशन वर्कशॉप ऑन स्वयम् मुक्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

फिजिक्स विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तवा कार्यक्रम कोर्डिनेटर है। इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंसेज अधिष्ठाता प्रो. देवेन्द्र मोहन व स्वयम् मुक्स समन्वयक डा. विवेक गुप्ता भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समय के बदलाव के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी बदलाव आ रहे हैं।

अध्ययन सामग्री अब पुस्तकों की बजाए वेबसाइटों पर उपलब्ध होने लगी है। इस बदलाव के साथ शिक्षकों को अपडेट होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को ज्ञान के साथ विवेकशीलता लाना बहुत आवश्यक है। पिछले कुछ समय से विद्यार्थियों के व्याख्यान भी वीडियो के माध्यम से करवाए जा रहे हैं। विभिन्न वेबसाइटों पर वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा विशेष व्याख्यान रिकार्ड कर अपलोड किए जा रहे हैं, जो विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक भी ऐसी वीडियों को अवश्यक देखे और उसको विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य करें। स्वयं मुक्स द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को भी ग्रहण करनी चाहिए। वर्कशॉप कोर्डिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तवा ने वर्कशॉप की जानकारी दी। यूजीसी स्वयं मुक्स के माध्यम से आप अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। स्वयं मुक्स पर 1000 से अधिक कोर्सेज करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वम मुक्स से सम्बन्धित यह पहली वर्कशॉप है। विश्वविद्यालय के स्वयं मुक्स के समन्वयक डॉ. विवेक गुप्ता ने बताया कि यह एक ऑनलाइन पोर्टल है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकता है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों सहित कुल 800 के करीब पंजीकरण करवा चुके हैं। इस मौके पर फैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंसेज अधिष्ठाता प्रो. देवेन्द्र मोहन आदि मौजूद थे।

हिसार। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि - 20/9/18

जीजेयू के 44 स्टूडेंट्स ने सिस्को ट्रेनिंग लैब्स के बारे में जाना

भास्कर न्यूज़ | हिसार

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के बीटेक ईसीई विभाग के विद्यार्थियों को गुरुग्राम स्थित नेटवर्क बुल्स कंपनी के सिस्को नेटवर्किंग सेंटर का दौरा करवाया गया। ईसीई विभाग के शिक्षक मोहन लाल व अंशुल के नेतृत्व में यात्रा में 44 विद्यार्थी शामिल हुए। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि नेटवर्क बुल्स एशिया की सबसे बड़ी सिस्को ट्रेनिंग लैब्स है, जहां विद्यार्थियों को नेटवर्किंग और सिस्को रूटर, स्विच और फायरवॉल के काम पर लाइव थ्यूरेटिकल व व्यावहारिक प्रशिक्षण हासिल करने का अवसर मिला। विद्यार्थियों को कॅरिअर विकल्पों और नेटवर्किंग क्षेत्र में बढ़ते दायरे के बारे में भी जानकारी दी। वहीं प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के बीटेक प्रिंटिंग विद्यार्थियों ने अम्बाला में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स द्वारा आयोजित रोमांसिंग प्रिंट-18 सेमिनार कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रिंटिंग विभाग के सुखदेव के नेतृत्व में भाग ले रहे 33 विद्यार्थियों को प्रिंटिंग में इस्तेमाल होने वाली नवीनतम तकनीक में अंतरदृष्टि सहित विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में अवगत करवाया। निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने ईसीई विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजीव दुल व प्रिंटिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. अंबरीश पांडे मौजूद रहे।

गुरुग्राम में एशिया की सबसे बड़ी सिस्को लैब के बारे में जानकारी लेते हुए।

दैनिक भास्कर- 20/9/18

दो अच्छी खबरें | 1. गवर्नर व कुलाधिपति सत्यदेव नारायण आर्य ने सूचना की जारी 2. यूजीसी ने डिस्टेंस कोर्स के लिए एआईसीटीई से अप्रूवल की शर्त हटाई

जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाया

भास्कर न्यूज़ | हिसार

जीजेयू के वाइस चांसलर प्रो. टंकेश्वर कुमार आगामी तीन वर्ष तक पद पर बने रहेंगे। स्टेट गवर्नर व जीजेयू के कुलाधिपति सत्यदेव नारायण आर्य ने बुधवार को प्रो. टंकेश्वर कुमार के कार्यकाल को तीन साल के लिए बढ़ाने की सूचना जारी की। प्रो. टंकेश्वर कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी से 11 अक्टूबर 2015 में जीजेयू के वीसी के पद पर नियुक्त हुए थे। उनका कार्यकाल अगले महीने 12 अक्टूबर तक था। गवर्नर ने प्रो. टंकेश्वर कुमार का वीसी पद कार्यकाल 13 अक्टूबर से आगामी तीन वर्ष व 68 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक बढ़ाया गया है।

वीसी का एच इंडेक्स 15 व विवि का एच इंडेक्स 74 पहुंचाया

यमुनानगर में जन्मे प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से स्नातक की

पढ़ाई की। उन्होंने पंजाब विवि से स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट पूरा किया। वह पोस्ट-डॉक्टरेट, एक शोध नेता और आईसीटीपी, इटली के सहयोगी सदस्य हैं। उनके शोध कार्य में एच-इंडेक्स 15 है। वहीं उनके प्रयासों से विवि का एच इंडेक्स 74 तक पहुंचा है। उनके पास उनके क्रेडिट के लिए 130 से अधिक शोध पत्र हैं और विदेशों में लगभग दस यात्राएं की हैं।

इन कार्यों का लक्ष्य

- यूनिवर्सिटी को ए प्लस-प्लस ग्रेड बनाना।
- विवि की ओवरऑल रैंकिंग में सुधार।
- रूसा का इनोवेशन सेंटर स्थापित करना।
- चार नये डिपार्टमेंट बनाना।
- टीचिंग ब्लॉक स्थापित करना।
- टूरिज्म साइट बनाना।
- प्लेसमेंट फेसिलिटी सुधारना।

कार्यकाल बढ़ाए जाने पर खुशी है, विवि में पिछले तीन वर्षों में काफी अच्छे अनुभव रहे हैं। विवि की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।
-प्रो. टंकेश्वर कुमार, जीजेयू, वीसी, हिसार।

जीजेयू डिस्टेंस मोड से भी करा सकेगी एमबीए, एमकॉम और एमसीए कोर्स

सुभाष चंद्र | हिसार

जीजेयू अब एमबीए, एमसीए व एमकॉम के दो व तीन वर्षीय कोर्स डिस्टेंस मोड से करवा सकेगी। इन कोर्सेज की अप्रूवल पर यूजीसी ने पिछले काफी समय से रोक लगाई हुई थी। मगर अब इन कोर्सेज की अप्रूवल का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, यूजीसी ने डिस्टेंस एजुकेशन कोर्स के लिए अप्रूवल देने से पहले ऑल इंडिया टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से अप्रूवल लेने के आदेश दिए थे। लेकिन एआईसीटीई ने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन को आधार मानते हुए कहा है कि देश की सेंट्रल व स्टेट यूनिवर्सिटीज को एआईसीटीई की डिस्टेंस कोर्सेज के लिए उनकी अप्रूवल की जरूरत नहीं है।

13 कोर्सेज के लिए किया अप्लाई, 7 को मिली थी अप्रूवल

जीजेयू ने डिस्टेंस के 13 कोर्सेज के लिए अप्लाई किया था। इसमें यूनिवर्सिटी को पिछले महीने ही सात डिस्टेंस कोर्सेज के लिए यूजीसी से अप्रूवल मिली थी। इन कोर्सेज में बीए, बीकॉम, बीए मास कम्यूनिकेशन, एमए मास कम्यूनिकेशन, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी मैथ शामिल हैं। जीजेयू ने 6 पीजी डिप्लोमा कोर्स भी पिछले महीने ही शुरू किए हैं, जिनमें पीजी डिप्लोमा इन फाइनेंशियल मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन मार्केटिंग मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन इंटरनेशनल बिजनेस, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड ऑपरेशन मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन एनवायरमेंटल लॉ कोर्स भी डिस्टेंस मोड पर शुरू किए हैं।

डिस्टेंस स्टडी सेंटर भी शुरू कर पाएंगे कोर्स

जीजेयू के अलावा जिले के कॉलेजों में डिस्टेंस स्टडी सेंटर पर भी ये कोर्स शुरू कर पाएंगे। यूजीसी ने प्रदेश में यूनिवर्सिटी से जुड़े कॉलेजों में भी डिस्टेंस स्टडी सेंटर खोलने के आदेश दिए हैं। हालांकि कॉलेज उन्हीं कोर्सेज को शुरू कर सकते हैं, जिन कोर्सेज को कॉलेजों में पढ़ाया जा रहा है।

दैनिक भास्कर- 20/9/18

जीजेयू में सम्मान समारोह • 15 शिक्षण संस्थानों से पहुंचे 1500 स्वयंसेवक, पर्यावरण और दूसरों की जिंदगी बचाने वाले हुए सम्मानित

किसी की जिंदगी बचाने से बड़ा सुकून कोई और नहीं

भास्कर न्यूज | हिसार

एक दिन मेरे पास साथी स्वयंसेवक का फोन आया कि किसी जरूरतमंद को खून की आवश्यकता है। मैं ब्लड डोनेट करके आया। अगले दिन उनका धन्यवाद के लिए फोन भी आया कि रक्त मिलने से किसी की जान बच गई। मैं नहीं जानता था कि मेरा खून किसे दिया गया लेकिन इससे मेरा हौसला जरूर बढ़ा। आज करीब 5 साल से एनएसएस से जुड़ा हूं और दूसरों को भी इससे जुड़ने की प्रेरणा दे रहा हूं। जीजेयू में एनएसएस सम्मान समारोह में सम्मानित होने वाले कैयूके के रोहित पानू ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि एनएसएस हो या ऐसा कोई संगठन बस हमारा मकसद सच्ची सेवा होना चाहिए।

शनिवार को जेजीयू के ऑडिटोरियम में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्रदेशभर की 15 विश्वविद्यालयों, कॉलेज और स्कूल से आए 1500 स्वयंसेवकों की मौजूदगी में ऐसा ही जज्बा रखने वाले 19 समन्वयक व स्वयंसेवकों को स्टेट अवार्ड से नवाजा गया। जिसमें 5 कार्यक्रम समन्वयक और 8 स्वयंसेवक शामिल हैं। अन्य 6 भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मान प्रदान किया गया। सम्मानित किए गए समन्वयक व स्वयंसेवकों ने 1600 से अधिक रक्तदान शिविर और करीब 10 हजार पौधरोपण कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी कर अपनी सेवाएं दीं। राष्ट्रीय सेवा योजना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर जीजेयू के चौ. रणबीर सिंह सभागार में प्रदेश स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। आयोजन जीजेयू एनएसएस इकाई और उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की ओर से हुआ। सम्मान समारोह में विधायक व हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजिज के चेयरमैन डा. कमल गुप्ता ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचकर समन्वयकों व स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 2 हजार से ज्यादा लोग मौजूद रहे।

उनके साथ जीजेयू वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार, डीसी अशोक कुमार मीणा, उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की एसीएस ज्योति अरोड़ा, वाईएसपीए कुलपति डा. दिनेश कुमार, एनएसएस क्षेत्रीय निदेशक एसपी भटनागर,कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर मौजूद रहे। देश को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की अहम भूमिका रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवा के चरित्र निर्माण के साथ-साथ उनको सभ्य व संस्कारी नागरिक बनाती है। यह

एमडीयू के डॉ. रणबीर सिंह व उनकी एनएसएस टीम को सम्मानित करते हुए विधायक डॉ. कमल गुप्ता।

स्वच्छता अभियान में प्रदेश के 10112 स्वयंसेवक कर रहे सेवा

प्रदेश के 10112 स्वयंसेवक स्वच्छता की मुहिम में अपनी सेवाएं दे रहे है। राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरूआत के समय देश में 40 हजार स्वयंसेवक थे। आज यह संख्या 40 लाख हो गई है। स्वच्छता अभियान के तहत देश के 98172 स्वयंसेवकों द्वारा पंजीकरण किया गया है, जिसमें से प्रदेश के 10112 स्वयंसेवक है। इसके साथ-साथ 475 नोडल अधिकारियों द्वारा पंजीकरण किया गया है।

स्वयंसेवक समाज में स्वेच्छा से सेवा करते हैं। कोई भी कार्य पुरस्कार प्राप्त करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि समाज के हित के लिए किया जाना चाहिए। यह पुरस्कार न केवल उन लोगों को हिम्मत और हौसला देगा जो आज यहां पुरस्कार ग्रहण कर रहे हैं। परन्तु उन लोगों के लिए भी प्रेरणा बनेगा जो राष्ट्र सेवा योजना में कार्य कर रहे हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार।

बात सम्मान समारोह में विधायक डा. कमल गुप्ता ने कही। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज देश का युवा नशे का शिकार होता जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे का प्रयोग ना करें। कार्यक्रम में एनसीसी ईकाई समन्वयक प्रो. सुजाता साँधी, प्रोक्टर डा. संदीप राणा, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. मनदीप मलिक, प्रो. हरभजन बंसल उपस्थित रहे।

जेजीयू ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में इन्हें मिला सम्मान

51 हजार रुपये, प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न का सम्मान

- एमडीयू रोहतक के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. रणबीर सिंह
- जिला समन्वयक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, चिड़ौद के नरेन्द्र सिंह

31 हजार रुपये, प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न का सम्मान

- कार्यक्रम अधिकारी एचएयू हिसार के डा. भगत सिंह।
- कार्यक्रम अधिकारी राजकीय महाविद्यालय, छछरौली के डा. रमेश कुमार।
- कार्यक्रम अधिकारी छाजू राम मैमोरियल जाट महाविद्यालय हिसार के राजपाल सिंह।

21 हजार रुपये, प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न का सम्मान

- एचएयू के कृषि महाविद्यालय के चरण सिंह।
- कैयूके के अंग्रेजी संकाय के रोहित पानू।
- जीजेयू हिसार के ललित कुमार।
- आईजी यूनिवर्सिटी मीरपुर के रोहित।
- एमडीयू रोहतक के इकोनॉमिक्स विभाग की छात्रा अंजु।
- भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर की छात्रा रेनू।
- राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भिवानी की छात्रा भारती।

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में ये रहे विजेता

- प्रथम स्थान पाने वाली पूजा सारंरिया और भूषण गुप्ता।
- द्वितीय स्थान पर छात्र रूपेश और छात्रा अंजलि कौशिक।
- तृतीय स्थान पर छात्र हिमांशु शर्मा व छात्रा नेहा भारद्वाज।
- एमडीयू रोहतक, एचएयू हिसार, जीएसएसएस चिड़ौद, सीआरएम जाट कॉलेज हिसार तथा राजकीय कॉलेज छछरौली को ट्राफी भेंट कर सम्मानित किया गया।
- जीजेयू के बॉटेक आईटी के छात्र अनिल कुमार ने राष्ट्रीय निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार प्रस्तुत किए।
- सीआरएम जाट महाविद्यालय, हिसार के विद्यार्थियों ने रागनी।
- प्रथम राज्य स्तरीय एनएसएस पुरस्कार वितरण समारोह में एमडीयू रोहतक के योजना समन्वयक डॉ. रणबीर सिंह को 51 हजार रुपए, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. रणबीर सिंह ने यह राशि केरल बाढ़ पीडितों की सहायता के लिए दे दी।

दैनिक भास्कर - 23/9/18

कार्यक्रम | जम्मू कश्मीर, ओडिशा, सिक्किम, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड सहित विभिन्न प्रदेशों के लोक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे

गुजवि में 13 राज्यों के 400 कलाकार मचाएंगे धूम

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में तीन दिन देशभर की लोकसंस्कृतियों की धूम रहेगी। देश के 13 राज्यों के 400 से अधिक कलाकार अपने-अपने राज्यों की लोक और जनजातीय नृत्य कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली और गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 28 से 30 सितंबर 2018 तक प्रतिदिन दोपहर ढाई बजे से विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मुख्य हाल में भारत की विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के उत्सव 'देशज' का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि कार्यक्रम 'देशज' भारतीय लोक जनजातीय और पारंपरिक नृत्य के लिए समर्पित है। कार्यक्रम भारत की विविध संस्कृति का संयोजन है। इस कार्यक्रम में देशभर से अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले कलाकार दल अपने राज्य के लोक नृत्य प्रस्तुत करेंगे और विविधता में एकता की झलक देखने को मिलेगी। विद्यार्थियों के अलावा हिसार वासी भी देश की लोक संस्कृति को जान व समझ सकेंगे। कार्यक्रम में देश के 13 राज्यों की 25 टीमों के 400 से अधिक कलाकार भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल, जनसंपर्क अधिकारी विजेन्द्र दहिया व निदेशक युवा कल्याण अजीत सिंह कार्यक्रम के समन्वयक हैं। डा. मनीष मामगाँई संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के कार्यक्रम समन्वयक हैं।

तीन दिनों तक यह रहेगा कार्यक्रमों का शेड्यूल

28 सितंबर

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने बताया कि कार्यक्रम में जंगम जोगी, हरियाणा, पंच वाद्यम, केरला, तमांग शेलो नृत्य, सिक्किम, घूमर नृत्य, हरियाणा, डोगरी लोक नृत्य, जम्मू और कश्मीर, संबलपुरी लोक नृत्य, ओडिशा और रसिया लोक नृत्य, हरियाणा की प्रस्तुति 28 सितम्बर 2018 को होगी।

25 टीमों के कलाकार जमाएंगे कला का संगम

29 सितंबर : विश्वविद्यालय में 29 सितंबर 2018 को बीन जोगी, हरियाणा, भांगड़ा नृत्य, पंजाब, नौरता नृत्य, मध्य प्रदेश, लूर नृत्य, हरियाणा, चकरी नृत्य, राजस्थान, तान्दी नृत्य, उत्तराखंड और धमाल नृत्य की प्रस्तुति होगी।

30 सितंबर : 30 सितंबर 2018 को सारंगी जोगी, हरियाणा, लावणी नृत्य, महाराष्ट्र, बोडो नृत्य, असम, खोड़िया लोक नृत्य, हरियाणा, रास एवं मयूर नृत्य, उत्तर प्रदेश, लमबाड़ी नृत्य, आंध्र प्रदेश और फाग नृत्य, हरियाणा की प्रस्तुति दी जाएगी।

दैनिक जागरण - 27-9-18

गुजवि के प्रो. उमेश बने गूगल के मास्टर ट्रेनर

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग के प्रो. उमेश आर्य को गूगल द्वारा 'डेटा-वेरिफिकेशन एवं फैक्ट चेकिंग' के मास्टर ट्रेनर के तौर पर प्रामणित किया गया है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने प्रो. उमेश आर्य को इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है। प्रो. उमेश आर्य अब गूगल के अन्तर्गत पूरे देश में 'डेटा-वेरिफिकेशन एवं फैक्ट चेकिंग' के लिए कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम करेंगे। प्रो. उमेश आर्य पहले भी गूगल सर्टिफाइड पॉवर सर्चर रहे हैं, जिसके तहत वो विभिन्न संस्थानों एवं कार्यशालाओं में 'प्रभावशाली गूगल सर्च' विषय पर व्याख्यान देते रहे हैं। डॉ. आर्य ने बताया कि 'फेक न्यूज' एवं ऑनलाइन दुष्प्रचार को रोकने के लिए यह 'फैक्ट चेकिंग' की ट्रेनिंग काफी कारगर साबित होगी।

हरभूमि 28/9/18